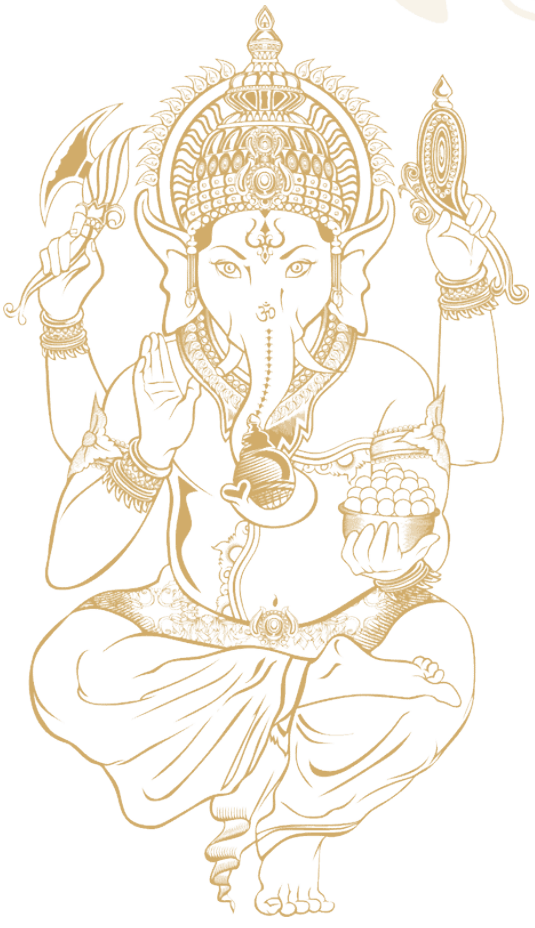

# Mr.Rahul

# Km.Kajol Soulanki

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121400502

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 05/10/1999 | जन्म तिथि | 24/12/2000 |
| मंगलवार | दिन | रविवार |
| घंटे 20:40:00 | जन्म समय | 09:30:00 घंटे |
| घटी 35:36:44 | जन्म समय(घटी) | 05:36:30 घटी |
| India | देश | India |
| Jhabua | स्थान | Ratlam |
| 25:45:00 उत्तर | अक्षांश | 23:18:00 उत्तर |
| 74:38:00 पूर्व | रेखांश | 75:06:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:31:28 | स्थानिक संस्कार | -00:29:36 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:25:18 | सूर्योदय | 07:08:24 |
| 18:14:29 | सूर्यास्त | 17:50:20 |
| 23:50:59 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:58 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 5वर्ष 11मा 11दि | 04:21:43 | वृष | लग्न | मक | 13:34:35 | बुध 10वर्ष 9मा 8दि |
| सूर्य | 18:04:54 | कन्या | सूर्य | धनु | 08:46:56 | शुक्र |
| 16/09/2025 | 02:00:04 | सिंह | चंद्र | वृश्चि | 21:33:03 | 02/10/2018 |
| 17/09/2031 | 28:00:46 | वृश्चि | मंगल | तुला | 06:27:49 | 02/10/2038 |
| सूर्य 04/01/2026 | 06:45:25 | तुला | बुध | धनु | 07:50:48 | शुक्र 01/02/2022 |
| चन्द्र 06/07/2026 | 08:26:23 | मेष व | गुरु व | वृष | 09:02:22 | सूर्य 01/02/2023 |
| मंगल 10/11/2026 | 04:39:47 | सिंह | शुक्र | मक | 24:20:04 | चन्द्र 02/10/2024 |
| राहु 05/10/2027 | 22:11:40 | मेष व | शनि व | वृष | 01:06:41 | मंगल 02/12/2025 |
| गुरु 23/07/2028 | 17:26:46 | कर्क व | राहु व | मिथु | 21:37:48 | राहु 02/12/2028 |
| शनि 05/07/2029 | 17:26:46 | मक व | केतु व | धनु | 21:37:48 | गुरु 03/08/2031 |
| बुध 12/05/2030 | 19:08:28 | मक व | हर्ष | मक | 24:25:08 | शनि 02/10/2034 |
| केतु 17/09/2030 | 07:45:27 | मक व | नेप | मक | 11:11:34 | बुध 02/08/2037 |
| शुक्र 17/09/2031 | 14:30:00 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 19:37:03 | केतु 02/10/2038 |

**लग्न-चलित**

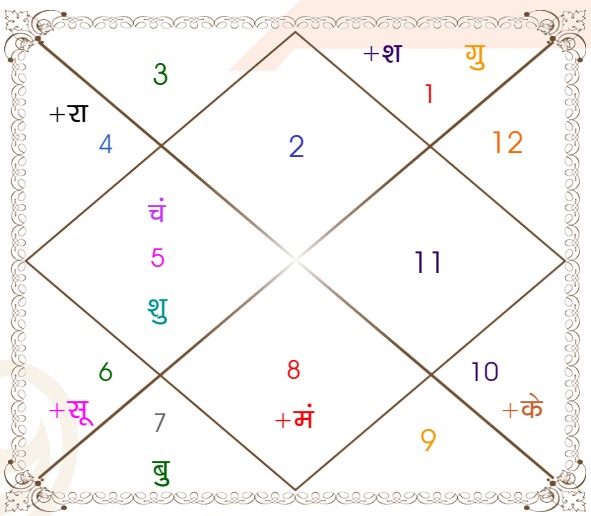


**लग्न-चलित**

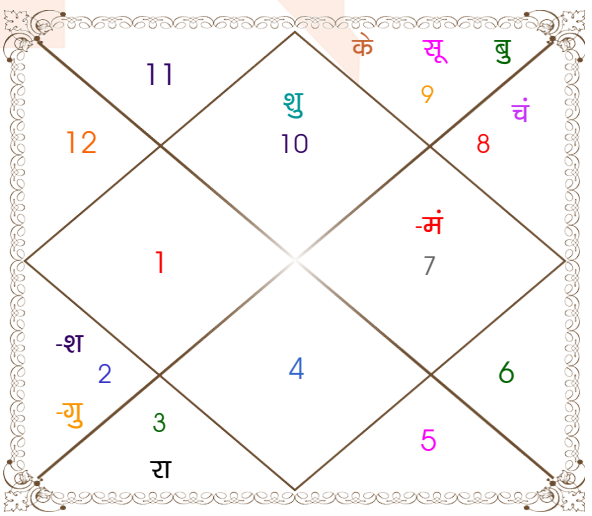

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | कीटक | 2 | 0.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | सम्पत | अतिमित्र | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | मृग | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | मंगल | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 31.00 | | |

डतण्तीनस का वर्ग मूषक है तथा Km.Kajol Soulanki का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्तीनस और Km.Kajol Soulanki का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

डतण्तीनस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्तीनस कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Km.Kajol Soulanki मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Km.Kajol Soulanki कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्तीनस तथा Km.Kajol Soulanki में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।